Series SMA

कोड नं. **2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 100
Maximum Marks : 100

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जर्मनी के सुप्रसिद्ध विचारक नीत्शे ने, जो विवेकानंद का समकालीन था, घोषणा की कि **'ईश्वर मर चुका है ।'** नीत्शे के प्रभाव में यह बात चल पड़ी कि अब लोगों को ईश्वर में दिलचस्पी नहीं रही । मानवीय प्रवृत्तियों को संचालित करने में विज्ञान और बौद्धिकता निर्णायक भूमिका निभाते हैं — यह स्वामी विवेकानंद को स्वीकार नहीं था । उन्होंने धर्म को बिलकुल नया अर्थ दिया । स्वामी जी ने माना कि ईश्वर की सेवा का वास्तविक अर्थ ग़रीबों की सेवा है । उन्होंने साधुओं-पंडितों, मंदिर-मस्जिद, गिरजाघरों-गोंपाओं के इस परंपरागत सोच को नकार दिया कि धार्मिक जीवन का उद्देश्य संन्यास के उच्चतर मूल्यों को पाना या मोक्ष-प्राप्ति की कामना है । उनका कहना था कि ईश्वर का निवास निर्धन-दरिद्र-असहाय लोगों में होता है क्योंकि वे 'दरिद्र-नारायण' हैं । 'दरिद्र-नारायण', शब्द ने सभी आस्थावान् स्त्री-पुरुषों

में कर्तव्य-भावना जगाई कि ईश्वर की सेवा का अर्थ दीन-हीन प्राणियों की सेवा है । अन्य किसी भी संत-महात्मा की तुलना में स्वामी विवेकानंद ने इस बात पर ज़्यादा बल दिया कि प्रत्येक धर्म ग़रीबों की सेवा करे और समाज के पिछड़े लोगों को अज्ञान, दरिद्रता और रोगों से मुक्त करने के उपाय करे । ऐसा करने में स्त्री-पुरुष, जाति-संप्रदाय, मत-मतांतर या पेशे-व्यवसाय से भेदभाव न करे । परस्पर वैमनस्य या शत्रुता का भाव मिटाने के लिए हमें घृणा का परित्याग करना होगा और सबके प्रति प्रेम और सहानुभूति का भाव जगाना होगा ।

(क) नीत्शे कौन था ? उसने क्या घोषणा की थी ? *1*

(ख) नीत्शे की घोषणा के पीछे क्या सोच थी ? *2*

(ग) धर्म के बारे में स्वामी विवेकानंद ने क्या विचार दिया ? इसका क्या आशय था ? *2*

(घ) पारंपरिक विचारों के अनुसार धार्मिक जीवन का उद्देश्य क्या माना गया था ? *1*

(ङ) 'दरिद्र-नारायण' से क्या आशय है ? इस शब्द से लोगों में क्या भावना जाग्रत हुई ? *2*

(च) स्वामी विवेकानंद ने किस बात पर बल दिया और क्यों ? *2*

(छ) आपसी भेदभाव मिटाने के लिए क्या किया जाना चाहिए ? *2*

(ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(झ) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए — संचालित **अथवा** निर्धनता । *1*

(ञ) सरल वाक्य में बदलिए : *1*
स्वामी जी ने माना कि ईश्वर सेवा का वास्तविक अर्थ ग़रीबों की सेवा है ।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

तुम नहीं चाहते थे क्या –
फूल खिलें
भौंरे गूँजें
तितलियाँ उड़ें ?
नहीं चाहते थे तुम –
शरदाकाश
वसंत की हवा
मंजरियों का महोत्सव ?
कोकिल की कुहू, हिरनों की दौड़ ?

तुम्हें तो पसंद थे भेड़िये
भेड़ियों-से धीरे-धीरे जंगलाते आदमी
समूची हरियाली को धुआँ बनाते विस्फोट !
तुमने ही बना दिया है सबको अंधा-बहरा
आकाशगामी हो गए सब
कोलाहल में डूबे, वाणी-विहीन !

अब भी समय है
बाक़ी है भविष्य अभी
खड़े हो जाओ अँधेरों के ख़िलाफ़
वेद-मंत्रों के ध्याता,
पहचानो अपनी धरती
अपना आकाश !

(क) आतंकी विस्फोटों के क्या-क्या परिणाम होते हैं ?

(ख) आतंकवादियों को धरती के कौन-कौनसे रूप नहीं लुभाते ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :
तुम्हें पसंद थे भेड़िये ।
धीरे-धीरे जंगलाते आदमी ।

(घ) 'अब भी समय है' कहकर कवि क्या अपेक्षा करता है ?

(ङ) काव्यांश के आधार पर बसंत ऋतु के सौंदर्य का शब्द-चित्र अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : 5

(क) भारत की युवा शक्ति

(ख) संचार-क्रांति

(ग) बाढ़ की विभीषिका

(घ) वन रहेंगे : हम रहेंगे

4. अपने कार्यक्रमों के द्वारा अंधविश्वासों और रूढ़िवादी विचारधारा का प्रचार करने वाले 'क-ख-ग' चैनल के बारे में अपनी राय व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके गाँव से कस्बे तक की सड़क की दुर्दशा का वर्णन करते हुए अपने क्षेत्र के संसद्-सदस्य को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि अपनी क्षेत्रीय विकासनिधि से तात्कालिक मरम्मत करवाएँ और सरकार के लोकनिर्माण विभाग से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक क़दम उठाएँ ।

5. "मैं रामलीला मैदान से लिख रहा हूँ" **अथवा** "अस्पताल के साधारण वार्ड से" विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

6. (क) निम्नलिखित के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *1×5=5*
   - (i) संपादक के दो प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए ।
   - (ii) विशेष लेखन से आप क्या समझते हैं ?
   - (iii) मुद्रित माध्यम की एक विशेषता बताइए जो इलैक्ट्रॉनिक माध्यम में नहीं है ।
   - (iv) हिन्दी में प्रकाशित किन्हीं चार दैनिक समाचार-पत्रों के नाम लिखिए ।
   - (v) समाचार-लेखन के छह 'ककारों' का नामोल्लेख कीजिए ।

   (ख) 'विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' **अथवा** 'आँखों-देखी दुर्घटना' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

ज़िंदगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है ।
गरबीली ग़रीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है, अपलक है –
संवेदन तुम्हारा है !

(क) कवि ने क्या सहर्ष स्वीकारा है और क्यों ?

(ख) 'ग़रीबी' के लिए प्रयुक्त विशेषण का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कविता का 'तुम' (तुम्हें) कौन है ? आप ऐसा कैसे कह सकते हैं ?

(घ) भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

पल-पल में जो कुछ भी जाग्रत है, अपलक है –
संवेदन तुम्हारा है !

अथवा

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़िया के भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है,
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

(क) दिन ढलते समय पक्षियों की द्रुत गति का कारण कवि क्या मानता है ?

(ख) आदमी को घर लौटने की ख़ास जल्दी नहीं दिखाई पड़ती, क्यों ?

(ग) बच्चों की 'प्रत्याशा' क्या हो सकती है ? उनकी व्याकुलता कैसे व्यक्त की गई है ?

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए :

यह प्रश्न शिथिल करता पद को,
भरता उर में विह्वलता है ।

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

प्रभु प्रताप सुनि कान विकल भए बानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस ॥

(क) 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।

(ग) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा की दो विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो !
और ...
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है ।

(क) उषा का जादू क्या है और क्यों टूट रहा है ?

(ख) काव्यांश का बिंब स्पष्ट कीजिए ।

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'बादल राग' कविता के आधार पर बादल के विप्लवकारी स्वरूप का चित्रण कीजिए ।

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में शारीरिक चुनौती झेलते अन्यथा सक्षम लोगों के प्रति कवि के रवैये पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'बात सीधी थी पर' के आधार पर लिखिए कि भाषा को सहूलियत से बरतने से कवि का क्या आशय है ? ऐसा न करने पर क्या परिणाम होता है ?

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी का सम्बन्ध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से न हटा सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले को और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना ।

(क) भक्तिन कौन है ? उसका वास्तविक नाम क्या था ?

(ख) महादेवी अपने और भक्तिन के सम्बन्धों को मालिक और नौकरानी का सम्बन्ध क्यों नहीं मानतीं ?

(ग) महादेवी और भक्तिन के सम्बन्धों की तुलना किनसे की गई है और क्यों ?

(घ) गद्यांश से भक्तिन के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का पता चलता है ?

अथवा

मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है ! सुनता कौन है ? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं; जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राण-कण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं । दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है । मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे । भोले हैं वे । हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो । जमे कि मरे ।

(क) शिरीष की किस विशेषता के कारण लेखक को यह सब कहना पड़ा है ?

(ख) मूर्ख किन्हें कहा गया है और क्यों ?

(ग) महाकाल के सपासप कोड़े चलाने का क्या आशय है ? इसका क्या प्रभाव दिखाई देता है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो । जमे कि मरे ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) चार्ली चैप्लिन के भारतीयकरण से क्या तात्पर्य है ?

(ख) इंदर सेना के बारे में लेखक और जीजी की राय में क्या अंतर था ? आप किसके विचारों से सहमत हैं ?

(ग) भीमराव आंबेडकर के मत में दासता की व्यापक परिभाषा क्या है ?

(घ) नमक की पुड़िया को लेकर सफिया के मन में क्या द्वंद्व था ? सफिया के भाई ने नमक ले जाने के लिए मना क्यों कर दिया था ?

(ङ) 'बाज़ार' का जादू क्या है ? जादू चढ़ने-उतरने का ग्राहक पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) अपने निवास के पास पहुँचकर वाई.डी. पंत को क्यों लगा कि वे किसी ग़लत जगह पर आ गए हैं ? वे घर न जाकर अँधेरे में ही क्यों दुबके रहे ?

(ख) 'जूझ' कहानी के लेखक की रुचि काव्य-रचना की ओर जगाने में उसके अध्यापक के योगदान पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) "सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्यबोध है, जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था ।" 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2=4

(क) 'मुअनजो-दड़ो' कहाँ है और क्यों प्रसिद्ध है ?

(ख) ड्रेसिंग गाउन पहनते समय यशोधर बाबू को भूषण की बात क्यों चुभ गई ? 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ग) 'किट्टी की डायरी' को ऐतिहासिक दस्तावेज़ क्यों माना जाता है ?

14. सेक्शन आफ़िसर के रूप में वाई.डी. पंत के व्यक्तित्व और व्यवहार पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । 5

अथवा

"टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगी के अनछुए समयों का दस्तावेज़ भी होते हैं ।" 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए ।